पेनल डिस्कशन में शामिल हुए अतिथि व अन्य।

समय के साथ लाइब्रेरियन की छवि बदलना जरूरी

आईआईएम में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय लाइब्रेरी सम्मेलन

दबंग रिपोर्टर • इंदौर

एशियाई लाइब्रेरी एसोसिएशन व आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय लाइब्रेरी सम्मेलन का समापन शनिवार को आईआईएम सभागृह में हुआ। इसमें लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया व 150 शोध पत्र प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 78 कॉन्फ्रेंस के लिए स्वीकार किए गए और 55 पर प्रेजेंटेशन दिया गया। प्रेजेंटेशन के नौ तकनीकी सेशन हुए, जिनमें छह प्रमुख वक्ताओं ने समकालीन मुद्दों पर चर्चा की।

प्रथम वक्ता के रूप में प्रोफेसर मधुश्री श्रीवास्तव आईआईएम ने 'महत्वपूर्ण मुद्दे प्रभावी संचार में' विषय पर कहा आज लाइब्रेरियन अंतर्मुखी और शर्मिला होता है, लेकिन इस छवि को बदलने का समय है। लाइब्रेरियन को हमेशा ध्यान केंद्रित रखने के साथ चौकस भी रहना चाहिए, यही व्यक्ति सही जानकारी दे सकता है। आज गूगल पर आप किसी भी समस्या के सौ जवाब देख सकते हैं, लेकिन एक लाइब्रेरियन के सही जवाब से आप संतुष्ट हो सकते हैं।

बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन का अवॉर्ड देते अतिथि।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

डॉ. सैफुद्दीन अमीन निदेशक अर्थ परामर्श व विजिटिंग फैकल्टी डीआरटीसी बंगलुरू ने 'पुस्तकालय मानक व प्रोटोकॉल' विषय पर मानकों और प्रोटोकॉल इन ऑर्डर के महत्व पर जोर दिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डॉ. जे भट्ट लाइब्रेरियन और डॉ. समीर शाह ने स्मार्ट शहरों और वैश्विक आउटसोर्सिंग प्रबंधन परियोजनाओं की जानकारी दी।

Dabang Dunia, April 17, 2016, Page-13

IIM-I conference: Experts discuss digital libraries

TIMES NEWS NETWORK

Indore: The international library conference 2016 began at Indian Institute of Management, Indore (IIM-I) in collaboration with Asian Library Association (ASIALA) on Thursday.

The conference will witness more than 60 paper presentations submitted by more than 100 participants from across the globe. Speakers from eminent institutes including Oxford University, Drexel University, ISB Hyderabad, IIT Roorkee, NIFT Delhi, IIM Calcutta, etc. would be speaking at the conference.

The three-day conference proposes to explore libraries as a broad foundation for interaction with information and information management in a digital world in furtherance of the Digital India vision. It aims to delve into the issue of digital libraries with a focus that supports not only information seeking and discovery but also community interaction and collaboration.

The first day of the conference began with a workshop on paper development and publishing in electronic world, conducted by Professor Srinath Jagannathan, faculty, IIM Indore and Dr Akhtar Parvez, librarian of the institute.

The inaugural ceremony had Dr S S Dhaka, president ASIALA, professor Rishikesha T Krishnan, Director, IIM Indore, Col K T Udupa (Retd), chairman, Organizing Committee and professor Ranjeet Nambudiri, chief conference advisor as the guests.

Dr Akhtar Parvez gave the opening remarks about the conference and elaborated the various sessions which were lined up for next three days.

Professor Nambudiri delivered the welcome address and noted that the researchers have become more demanding and discerning today. It is a challenge for libraries to adapt to these demands.

Times of India, April 16, 2016, Page-3

गूगल में मिलते हैं एक सवाल के सौ जवाब, लाइब्रेरियन देता है सीधा जवाब

इंदौर। आई आई एम इंदौर में आयोजित तीन दिवसीय इंटरनेशनल लाइब्रेरी कांफ्रेंस का समापन शनिवार को हुआ। इसका आयोजन एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन और आईआईएम इंदौर ने किया। इसमें करीब 200 प्रतिभागियों ने 150 के करीब रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए। की-नोट स्पीकर प्रो. मधुश्री श्रीवास्तव ने की इश्यू इन इफेक्टिव कम्यूनिकेशन पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि किस तरह लाइब्रेरियन की छवि समय के साथ बदलने की आवश्यकता है। उदाहरण देते हुए बताया कि गूगल एक सवाल के 100 जवाब दे सकता है लेकिन एक लाइब्रेरियन सीधा सही जवाब देता है। दूसरे की-नोट स्पीकर डॉ. सैफुल अमीन, डायरेक्टर बेंगलुरू, लाइब्रेरी स्टेंडर्डस एंड प्रोटोकाल पर बात की। उन्होंने मानकों और प्रोटोकॉल के इनऑर्डर के महत्व पर जोर दिया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से डॉ. जे. भट्ट, लाइब्रेरियन और डॉ. समीर शाह ने वैश्विक आउटसोर्सिंग प्रबंधन परियोजनओं के लिए जानकारी पर अपनी बात की। डॉ. स्वाती भट्टाचार्य, लाइब्रेरियन, आईआईएम कोलकाता ने इंफोर्मेशन लिटरेसी एंड ट्रांस-लिटरेसी इन द डिजीटल कांटेटेक्स्ट पर अपनी बात की।

Raj Express, April 17, 2016, Page-2

एक्टिविटी और नॉलेज का हब बन गई है लाइब्रेरी

आईआईएम इंदौर में शुरू तीन दिनी इंटरनेशनल लाइब्रेरी कॉन्फ्रेंस में बोले टी कृष्णन

इंदौर कुछ सालों में लाइब्रेरीज में तेजी से बदलाव हुआ है। अब लाइब्रेरी को एक्टिविटी और नॉलेज का हब माना जाता है। यह कहना है आईआईएम डायरेक्टर ऋषिकेश टी कृष्णन का। वह गुरुवार को आईआईएम इंदौर और एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिनी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बेशक गूगल के पास एडवांटेज है, लेकिन इंटरनेट पर सीमित संख्या में पुस्तकें ऑनलाइन मौजूद है। आप को अगर ओल्ड और स्पेशलाइज्ड किताब चाहिए तो लाइब्रेरी उसे पाने की परफेक्ट जगह है।

प्रो. नाम्बोदरी ने कहा कि आज रिसर्चर बहुत ज्यादा डिमांडिंग हो गए है। यह एक चैलेंज है कि लाइब्रेरी इन बदलावों को स्वीकार करें। लाइब्रेरी मैनेजर्स को कई चैलेंजेस का सामना करना पड़ रहा है। इनमें बदलते नॉर्म्स, बजट आदि शामिल

है। हमें लाइब्रेरी को रिसोर्स की जगह बनाए रखना होगा। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड की क्रिस फ्लेग ने किनोट एड्रेस दिया। उन्होंने डिसिजन मेकिंग इन एन एज ऑफ चेंज के बारे में जानकारी दी। कॉन्फ्रेंस में 60 से अधिक रिसर्च पेपर्स को सिलेक्ट किया गया है। इनमें से पहले दिन 13 रिसर्च पेपर पढ़े गए। कॉन्फ्रेंस में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, ड्रेक्सल यूनिवर्सिटी, आईएसबी हैदराबाद, आईआईटी रूड़की, निफ्ट दिल्ली, आईआईएम कोलकाता आदि इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर और लाइब्रेरी मेंबर शिरकत कर रहे है।

Patrika, April 15, 2016, Page-13

आईआईएम में लाइब्रेरी कॉन्फ्रेंस शुरू

इंदौर। संवाद और संवाद के प्रबंधन को लेकर डिजिटल इंडिया के विजन और डिजिटल दुनिया के कॉन्सेप्ट को ध्यान में रखते हुए आईआईएम इंदौर में इंटरनेशनल लाइब्रेरी कॉन्फ्रेंस की शुरुआत हुई।

तीन दिन तक चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन भी शामिल है। इसमें दुनियाभर से आए 100 से ज्यादा प्रतिभागी 60 से ज्यादा पेपर पढ़ेंगे। ऑक्सफोर्ड, डेरेक्सल युनिवर्सिटी, आईएसबी हैदराबाद, आईआईटी रुड़की, एनआईएफटी दिल्ली, आईआईएम कोलकाता के लाइब्रेरी विशेषज्ञ भी कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। पहले दिन पेपर डेवलपमेंट और इलेक्ट्रॉनिक दुनिया में प्रकाशन विषयों पर आईआईएम इंदौर के प्रोफेसर जगन्नाथ, लाइब्रेरियन डॉ. परवेज अख्तर के सेशन हुए।

Nai Dunia, April 15, 2016, Page-20

International Library Conference-2016 begins at IIM-I

'Internet has its advantage but can't replace books'

• **OUR STAFF REPORTER**
INDORE

The International Library Conference-2016 began at IIM-Indore in collaboration with Asian Library Association (ASIALA) on Thursday.

The three-day conference proposes to explore libraries as a broad foundation for interaction with information and information management in a digital world in furtherance of the Digital India vision. It aims to delve into the issue of Digital Libraries with a focus that supports not only information seeking and discovery but also community interaction and collaboration.

More than 100 participants from across the globe will present their research papers during the conference in which speakers from Oxford University, Drexel University, ISB Hyderabad, IIT Roorkee, NIFT-Delhi, IIM-Calcutta, etc would participate.

Workshop on Paper Development and Publishing

in Electronic World, was conducted by Professor Srinath Jagannathan and Dr Akhtar Parvez

During the inauguration, Dr SS Dhaka, president of ASIALA, mentioned about the role of ASIALA in the promotion of librarianship as a profession and its aim to provide coordination and leadership to library professionals, institutions and library community. He also mentioned the initiatives taken by ASIALA to develop libraries and collaborate with other nations and international agencies to provide a common forum to develop librarianship via conferences.

Professor Krishnan also mentioned that libraries have changed tremendously and the efforts of the libraries have also changed. He noted how libraries were trying to change a few years ago, and now they have transformed so much that today they are considered hub of knowledge and activity.

"Definitely Google has advantages, but internet has limited number of books online. If you want old and specialized books, library is a place to be", he said

Second day of the conference would witness various technical sessions and a panel discussion would be held on the topic 'Have Library Consortia Brought Value to Small Institutions?'

Free Press, April 15, 2016, Page-3

Intl Library Conference ends at IIM-

'Google may give you 100 answers, but a librarian will direct you to right one'

• **OUR STAFF REPORTER**
Indore

"Google may give you hundred answers for a question but a librarian will direct you to the right answer," said Prof Madhusri Shrivastava.

She was addressing the concluding ceremony of International Library Conference, organized jointly by Asian Library Association and Indian Institute of Management, Indore on Saturday.

Speaking on key issues in Effective Communication, she said, "Earlier people, who used to do multitasking were considered talented. But, today this has turned into DAD (Divided Attention Disorder) which is a problem which many of us face unknowingly. People especially a librarian must be focus and attentive to get success."

Dr Saiful Amin, Director of Semantic Consulting, Bangalore sharing his views on library standards and protocol said in order to sustain in the long run for digital libraries various standards should be used for physical collection and online resources."

Dr Jay Bhatt, Librarian, and Dr Samir Shah, Associate Clinical Professor in Management Information System Drexel University, Philadelphia talked about 'Researching Information for smart cities and Global outsourcing management projects' while Dr Swati Bhattacharya of IIM-C and Dr Medha Joshi of Tata Memorial Hospital, Mumbai discussed about information literacy and trans- literacy.

Pratik Vaghela and Kinnery Thaker receiving Best Paper Award.

The conference was attended by 200 participants from across the globe and 63 research papers were presented. Pratik Vaghela and Kinnery Thaker were awarded with Best Paper Award for presenting a paper on 'An Application of Technology Acceptance Model in Understanding Student's Behavioral Intention.'

Free Press, April 17, 2016, Page-3

'Librarians better than search engines'

TIMES NEWS NETWORK

Pics: TOI

(From left) Madhusri Shrivastava, Dr Swati Bhattacharya and Dr Medha Joshi during the Asian Library Association conference at IIM-I on Saturday

Indore: "Librarians need to make efforts to change people's perception towards them. They are often described as introvert and shy, which needs to be changed," said Indian Institute of Management, Indore (IIM-I) professor Madhusri Shrivastava. She was speaking on 'Key issues in effective communication' on the final day of the three-day international library conference organized by Asian Library Association at IIM-I on Saturday.

She said: "A librarian should always be focused and attentive. Google may be quick enough to give you hundred answers for a problem, but a librarian will direct you exactly to the right answer."

The conference was attended by about 200 participants and 63 papers were selected for presentation. Nine technical sessions were held covering the presentations, six keynote addresses and two panel discussions on contemporary issues.

Director, Semantic Consulting & Visiting faculty, DRTC, Bangalore, Saiful Amin spoke on the importance of standards and protocols mandatory for digital libraries.

Another keynote address was via video conferencing on 'Researching information for smart cities and global outsourcing management projects' by Jay Bhatt, librarian, and Samir Shah, associate clinical professor in management information system, Drexel University, Philadelphia. Swati Bhattacharya, librarian, IIM Calcutta addressed on the topic 'Information literacy and trans-literacy in the digital context'.

Quoting about experience of working with agricultural portals by Maharashtra government as a part of e-choupal project, she said that it was not only important to make the information available digitally online but also it is important that we provide information literacy to the citizens.

Medha Joshi, head of department, library sciences, Tata Memorial Hospital, Mumbai spoke on the importance of research protocols for using information.

Best paper award went to Pratiksinh Vaghela and Kinnery Thaker for their paper on the topic 'An application of technology acceptance model in understanding student's behavioral intention to use EBSCO-An online management database'.

Times of India, April 17, 2016, Page-3